पर्ल

आज तक

जे.एन.एन.यू.आर.एम. का प्रयास

सितंबर 2010

गोराई लैण्डफिल साईट
ग्रेटर मुम्बई म्युनिसिपल कार्पोरेशन

विषय सूची

पीयर लर्निंग नेटवर्कस को मजबूत बनाने पर कार्यशाला

पर्ल पर उत्तर–पूर्व देशों के समूह की कार्यशाला
प्रवेशिकाओं पर पुस्तिका

जे एन एन यू आर एम पुरस्कार 2010

सी जी सी – सी वी टी सी का विचारशील सत्र

निविदा विज्ञापनों पर नज़र रखना

पर्ल के अंतर्गत हेल्पडेस्क

पर्ल की नई वेबसाइट

भारतीय शहरी क्षेत्र में पीयरलर्निंग नेटवर्कस को मजबूत बनाने पर कार्यशाला

पर्ल, जे एन एन यू आर एम के अंतर्गत 'भारतीय शहरी क्षेत्रा में पीयर लर्निंग नेटवर्कस को मजबूत बनाने' पर 23–24 जुलाई 2010 को गोवा में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था। जिसमें 40 से अधिक भागीदारों ने भाग लिया, कार्यशाला में भारत से शहरी विकास मंत्रालय (श.वि.मं.), राज्य सरकार, शहरी स्थानीय निकायों (यू एल बी), सिटी मैनेजर्स एसोसिएशनस (सी एम ए) ने प्रस्तुतीकरण दिए। अंतर्राष्ट्रीय संगठनों जैसे सिटी डेवलपमेंट स्ट्रेटिजिस (सी डी एस), इनसाइडस, साऊथ अफ्रीकन सिटीज़ नेटवर्क (एस ए सी एन), जल एवं स्थाई–व्यवस्था कार्यक्रम (वाटर एण्ड सेनीटेशन प्रोग्राम – डब्लू एस पी), इंस्टीट्यूटो डि कोपरेको इन्टरनेशनल पेरा ओ डिसेनवोलविमेन्टो (आई एन सी आई डी ई), अर्बन ऐज इंस्टीट्यूट (डब्लू बी आई), सिटी एलाइन्ज (सी ए), सेन्टर फॉर डेवलपमेंट इनीशिएटिवस इन एशिया (सी डी आई ए), जेसेलशाफ्ट फॉर टेक्नीश जूसेमनरबिट (जी टी जेड), इनवेन्ट आदि।

प्रो. चेतन वैद्य, निदेशक, राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान (रा न का सं) ने स्वागत भाषण और कार्यशाला की पृष्ठभूमि से भागीदारों को संबोधित किया। प्रो. वी के `धर, रा न का सं ने पर्ल के उद्देश्यों, उपलब्धियों तथा चुनौतियों पर प्रस्तुतीकरण देने के साथ–साथ वेबसाइट, प्रकाशित श्रेष्ठ कार्यों, तिमाही पत्रिकाओं, राष्ट्रीय तथा सामूहिक कार्यशालाओं तथा प्रस्तावित हेल्पडेस्क पर जानकारी दी।

गोवा कार्यशाला में प्रो. चेतन वैद्य के साथ श्री संजय कुमार

प्रो. सास्वत बंदोपाध्याय, सी ई पी टी विश्वविद्यालय ने विरासत समूह गतिविधियों तथा इसकी कार्य योजना के विषय में संक्षेप में बताया। डा. स्नेह पालनितकर, ऑल इण्डिया इंस्टीट्यूट ऑफ लोकल सेल्फ गवर्नमेंट (ए आई आई एल एस जी), इण्डस्ट्रीयल मेगा सिटीज ग्रुप के नॉलेज मैनेजर (के एम) ने शहरों की सीमित रूचि का उल्लेख किया तथा शहरी क्षमता निमाग्ण के लिए पर्ल को प्रभावशाली उपकरण के रूप में बनाने की आवश्यकता का उदाहरण दिया। सिटी मैनेजर्स एसोसिएशन मध्य प्रदेश (सी एम ए एम पी) की श्रीमती रेणु हाण्डा, मिक्सड इकनोमी सिटीज़ की नॉलेज मैनेजर (के.एम.) ने भी वर्तमान में नेटवर्क सिटीज़ से सीमित सहयोग के विषय में उल्लेख किया। श्रीमती विजया, ए.एस.सी.आई. ने पर्ल के अंतर्गत हेल्पडेस्क की गतिविधियों और सिटी–टू–सिटी लर्निंग में इसकी प्रभावशीलता के विषय में बताया।

द्वितीय सत्रा की अध्यक्षता श्री एन. भट्टाचार्जी, कार्यदल प्रमुख, डब्लू. एस. पी. के द्वारा की गई जो 'की लेसन्स लेसन्स ऑन होरीजोन्टल लर्निंग' पर आधारित था। श्रीमती शीला जगन्नाथन तथा श्री एन्ड्रे हेरजॉग, डब्लू.बी. आई. ने प्रस्तुतीकरण दिए। उन्होंने विभिन्न विकल्प प्रस्तुत किए जिससे पर्ल दूरगामी और उपयोगी बन सकता है। डब्लू.बी.आई. ने समग्र समुदायों के लिए एक वेबसाइट (www.inclusivecities.ning.com) भी बनाई।

श्री भट्टाचार्जी ने स्थानीय सरकार बांग्लादेश की मदद से तथा अन्य भागीदारों की सहायता प्राप्त पीयर टू लर्निंग कार्यक्रम पर ध्यान केन्द्रित करते हुए बांग्लादेश में होरीज़ोन्टल लर्निंग प्रोग्राम के विषय में बताया। उन्होंने यह भी बताया कि होरीजोन्टल लर्निंग को क्षेत्रा आधारित प्रतिकृति और पीयर समीक्षा के माध्यम से बेहतर सुनिश्चित किया जा सकता है।

श्री टिम कैंपबेल, यू.ए.आई. ने 4 शहरों–बारसिलोना, ट्यूरिन, पोर्टलैण्ड तथा सिटी लर्निंग पर व्यापक साक्षात्कारों पर आधारित अध्ययन के परिणामों को प्रस्तुत किया। यह सीखने के विभिन्न तरीकों, विश्वास–निर्माण तथा पार–सीमाओं की सीखों पर फोकस किया था। उनके विचार से, इस प्रक्रिया के तीन स्तंभ हैं सीख, विश्वास और नव–विचार।

तीसरे सत्रा में पीयर लर्निंग नेटवर्क पर अंतर्राष्ट्रीय अनुभवों को साझा करना है। श्रीमती मेरी ऑरटेगा, फिलीपीन्स लीग ऑफ सिटीज़ ने मेयर के रुप में अपनी यात्रा के विषय में बताया तथा शहरी विकास नीतियों (सिटी डेवलपमेंट स्ट्रेटिजिस (सी.डी.एस.), सिटी–टू–सिटी लर्निंग तथा नव–विचारों क `निर्माण के विषय में बताया।

श्री सिथोल मबांग, सी.ई.ओ., एस.ए.सी.एम. ने नेटवर्क के कार्यों, मार्ग निर्देशों तथा सहायता पर भाषण दिया जो कि विशेष रुप से उत्पादकता, समग्रता, शासन तथा सततता के चार कारकों पर चलता है, जिससे मेयर एक दूसरे से सीखते हैं। उन्होंने कहा कि नेटवर्क से शहरों के लिए अच्छी गतिविधियां आरंभ होती है तथा नेटवर्क ब्राजीलीयन एवं भारतीय रिपोर्टों के नमूने के अनुसार 'स्टेट ऑफ सिटीज़ रिपोर्ट' को तैयार करने की प्रक्रिया में भी है।

कु.रेनेटा ब्रउलोस, साझेदार, आई.एन.सी.आई.ई., ब्राजील ने अर्जेन्टीना, ब्राजील और चिले की दक्षिण अमेरिकी देशों अथवा 'ए.बी.सी. क्षेत्रा' में सिटी टू सिटी लर्निंग प्रक्रिया पर अपने अनुभवों को साझा किया।

उन्होंने उनके द्वारा सामना किए जा रहे विभिन्न अवरोधों की रुपरेखा बताते हुए ब्राजील में विकेन्द्रीकरण की प्रक्रिया का वर्णन किया।

श्री संजय कुमार, निदेशक, जे.एन.एन.यू.आर.एम., शहरी विकास मंत्रालय, (श.वि.मं) ने दूसरे दिन महत्वपूर्ण टिप्पणियां की। उन्होंने कार्यशाला

श्री सीथोल मबांगा, दक्षिण अफ्रीका सिटीज़ नेटवर्क

आयोजित करने के लिए रा.न.का.सं. – डब्लू. बी.आई. – सी.ए. के प्रयासों की प्रशंसा की तथा कहा कि अन्य देशों में समान नेटवर्क के अनुभवों से पर्ल को सुदृढ़ करने में मदद मिलेगी।

दूसरे दिन, भागीदार तीन समूहों में बंट गए थे। इस सत्रा में पैनल चर्चा के पश्चात् समूह चर्चा भी शामिल थी। उन्होंने सामान्य और विशिष्ट प्रश्नों पर चर्चा की। समूह 1 का प्रतिनिधित्व कर रहे श्री दीपक मोहन्ती, अपर सचिव, शहरी विकास, उड़ीसा सरकार ने सुझाव दिया कि पर्ल के अंतर्गत शीर्ष मूल्य संवर्द्धित सेवाएं विभिन्न गतिविधियां, उत्कृष्टता का प्रमाणीकरण, पेटिल एवं वेब आधारित सेमिनारों के लिए टूलकिट हो सकती है। उन्होंने यह सुझाव भी दिया कि टूलकिट के माध्यम से नॉलेज एसेसमेंट (के.आई.एन.ए.) होनी चाहिए।

कु. रेनेटा बाउलोंस इनसाइड, ब्राजील

समूह 2 का प्रतिनिधित्व विदिशा मुखर्जी, अवर आयुक्त, जबलपुर नगर निगम तथा श्री श्रीनिवास, सचिव कर्नाटक म्युनिसिपल प्रशासन निदेशालय कार्यालय, द्वारा किया गया था। उन्होंने मूल्य संवर्द्धित सेवाओं के विषय में विस्तार से बताया जो कि पर्ल के लघु और दीर्घ अवधि, दोनों उद्देश्यों को प्राप्त करने में सहायक हो सकते हैं।

श्री एन्ड्रे हेरज़ॉन डब्लू बी आई

समूह 3 का प्रस्तुतीकरण श्री के. रमेश, अपर म्युनिसिपल आयुक्त, ग्रेटर विशाखापटनम् नगर निगम तथा श्रीमती रीना महापात्रा, परियोजना अधिकारी, जे एन एन यू आर एम, भुवनेश्वर नगर निगम द्वारा संयुक्त रुप से दिया गया था। उनकी सिफारिश थी कि अच्छे प्रयासों को और अधिक बड़े पैमाने पर शामिल किया जाना चाहिए और बुरे प्रयासों की सूची बनाने की जरुरत है ताकि लोग पहले की हुई गलतियों से बच सकें।

श्रीमती मेरी जेन, ऑरट्रेगा, फिलीपाइन्स लीग ऑफ सिटीज

श्री टीम कैंपबेल, सी.ई.ओ., अर्बन ऐज इंस्टीट्यूट

प्रस्तुतीकरणों के पश्चात् वर्तमान कार्यों हेतु आवश्यक तथा शहरों के बची संप्रेषण में सुधार करने के लिए आगे की योजना पर व्यापक चर्चाएं की गई। श्री टिम कैंपबेल ने कार्यशाला के लिए आयोजकों को बधाई दी। प्रो. वी.के.धर ने धन्यवाद किया।

गोवा कार्यशाला के भागीदार पैनल चर्चा के दौरान दूसरे दिन तीन समूहों में विभिन्न कार्यनीतियों पर चर्चा करते हुए।

पर्ल के अंतर्गत उत्तर–पूर्व शहरों के समूह पर कार्यशाला

14 सितम्बर 2010 को उत्तर–पूर्व (उ.पू.) शहरी क्षेत्राों के लिए शहरी विकास मंत्रालय (श.वि.मं.), राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान (रा.न.का.सं.) और सी.ई.पी.टी. विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रुप से कार्यशाला को आयोजन किया गया था।

इस कार्यशाला का उद्देश्य पर्ल के अंतर्गत उत्तर–पूर्वी शहरोंकी सक्रिय भागीदारी के माध्यम से जे एन एन यू आर एम के कार्यान्वयन में मुद्दों और अवरोधों का समझना था। कार्यशाला के दौरान यह सुझाव दिया गया था कि पर्ल के अंतर्गत प्रभावकारी भागीदारी एवं सहयोग के लिए उत्तर–पूर्वी शहरों के नए समूह के गठन की आवश्यकता है।

उत्तर–पूर्वी राज्यों के सभी राजधानी शहरों जैसे गुवाहाटी (आसाम), गैंगटोम (सिक्किम), शिलांग (मेघालय), ऐज़वाल (मिजोरम), कोहिमा (नागालैण्ड), अगरतला (त्रिपुरा) तथ ईटानगर (आंध्रप्रदेश) ने कार्यशाला में भाग लिया। रा.न.का.सं के सहयोग से कार्यरत अन्य संगठनों जैसे सिटी एलायन्स (सी.ए.), इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फाइनांस कंपनी (आई.डी.एफ.सी.), टी.ए.जी., आई.सी.आर.ए. मैनेजमेंट सर्विसेज लिमिटेड (आई.एम.ए.सी.एम), सी.आई.एस.सी.ओ़ ने भी कार्यशाला में भाग लिया।

चित्रा में शिलांग कार्यशाला के आरंभ के दौरान श्री पाण्डा, श्री श्रीवास्तव तथा श्री बंदोपाध्याय के साथ स्वागत भाषण देते हुए प्रो. चेतन वैद्य

प्रो. चेतन वैद्य, निदेशम, रा.न.का.स़ं के द्वारा स्वागत भाषण दिया गया जिन्होंने कार्यशाला की पृष्ठभूमि के बारे में भी बताया। श्री के.एल.टेरियांग, सचिव शहरी विकास, मेघालय सरकार, ने शिलांग में ऐसी कार्यशाला का आयोजन करने के लिए शहरी विकास मंत्राालय को धन्यवाद दिया। श्री बी.के.पाण्डा, निदेशक शहरी कार्य, मेघालय सरकार ने उत्तर–पूर्वी शहरों में सुधारों के कार्यान्वयन की विशेष समस्याओं के विषय में बताया।

श्री पी.के. श्रीवास्तव, आई.ए.एस., संयुक्त सचिव एवं अभियान निदेशक (जे एन एन यू आर एम), शहरी विकास मंत्राालय द्वारा प्रमुख अभिभाषण दिया गया। उन्होंने जे एन एन यू आर एम के अंतर्गत विभिन्न परियोजनाओं और सुधारों की योजना और कार्यान्वयन में सुधार में पर्ल का उद्देश्य व इसके लाभ व प्रभावकता के विषय में बताया। उन्होंने बताया कि जे एन एन यू आर एम के अंतर्गत उत्तर–पूर्वी क्षेत्रा के शहरों को लगभग 1000 करोड़ रुपये आबंटित किया जा चुका है तथा अनेक विकास परियोजनाओं का अनुमोदन किया गया है। लेकिन पर्याप्त निधि का वास्तविक उपयोग बहुत धीमी गति से हुआ। उन्होंने यह भी कहा कि पर्ल के अंतर्गत संप्रेषण और नेटवर्किंग से उत्तर–पूर्वी शहरों को एक दूसरे से सीखने में मदद मिलेगी। यह क्षेत्रा की विशिष्ट समस्याओं को समझने एवं संवेदनशील बनाने के लिए मंच के रुप मे कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय संस्थानों को क्षेत्रा के साथ भी एकीकृत होना चाहिए तथा उन्होंने कहा कि नेटवर्क स्थायी होना चाहिए जिससे वह वर्तमान जे एन एन यू आर एम अवधि अर्थात् मार्च 2012 के बाद भी जारी रह सके।

प्रथम तकनीकी सत्रा की अध्यक्षता श्री अजय सूरी, क्षेत्रीय प्रतिनिधि,

श्री अजय सूरी
सिटीज़ एलायन्स

सिटीज़ एलायन्ज ने की। प्रो. विजय धर, रा.न.का.सं. ने पर्ल के उद्देश्यों, लक्ष्यों तथा गतिविधियों पर एक प्रस्तुतीकरण दिया। डा. एस. आचार्य, सी ई पी टी विश्वविद्यालय ने उत्तर–पूर्वी शहरों में शहरी क्षेत्रा की प्रवृतियों और मुद्दों के विषय में चर्चा की। प्रो. सास्वत बंदोपाध्याय, सी ई पी टी विश्वविद्यालय ने पर्ल के अंतर्गत विरासत शहरी समूह के अनुभवों तथा संभावित भावी मार्ग पर प्रस्तुतीकरण दिया।

श्री के एल टेरियांग,
सचिव, शहरी विकास,
मेघालय सरकार

द्वितीय तकनीकी सत्रा में, श्री वी. स्वरुप, राष्ट्रीय समन्वयक, तकनीकी सलाहकार समूह, ने जे एन एन यू आर एम के अंतर्गत सिटी वॉलेंटियर टेक्नीकल कोर के उद्देश्य औ भूमिका के विषय में बताया। श्री प्रकाश कुमार, सी आई एस सी ओ ने शहरी ज्ञान प्रबंधन पर सूचना प्रोद्योगिकी का प्रयोग और बाजार और संबंधित शहरों के बारे में बातचीत की।

श्री पाण्डा,
निदेशक,
शहरी मामले,
मेघालय सरकार

तीसरे तकनीकी सत्रा की अध्यक्षता श्री अनुराग गोयल, आई.ए.एम, आयुक्त, गुवाहाटी नगर निगम के आयुक्त ने शहर में शहरी नवपरिवर्तनों तथा सामुदायिक भागीदारी कोष द्वारा समर्थित परियोजनाओं के सफल कार्यान्वयन के विषय में बताया।

प्रत्येक तकनीकी सत्रा के अंत में गहन चर्चाएं हुई थी। श्री पी.के. श्रीवास्तव ने शहरों/राज्यों द्वारा उठाए गए कुछ मुद्दों का स्पष्टीकरण दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि इस समेह को वर्ष की प्रत्येक तिमाही में चर्चा करनी चाहिए तथा शहरी विकास मंत्राालय इस प्रक्रिया में सहायता देगा।

श्री पी के श्रीवास्तव,
आई.ए.एस., अभियान निदेशक
(जे.एन.एन.यू.आर.एम)

प्रो. वैद्य ने सूचित किया कि गुवाहाटी शहर इस समूह का नेटवर्क संयोजक तथा सी ई पी टी नोलेज मैनेजर होगा। उन्होंने चर्चाओं का संक्षिप्तिकरण किया तथा समस्त भागीदारों तथा रिसोर्स पर्सन्स का धन्यवाद किया।

जे एन एन यू आर एम पुरस्कार 2010

शहरी विकास मंत्राालय (शहरी विकास मंत्राालय) जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय शहरी नवीनीकरण अभियान (जे एन एन यू आर एम) के अंतर्गत शीघ्र ही पुरस्कारों की घोषणा करेगा।

इस वर्ष के पुरस्कार निम्नलिखित क्षेत्राों के अंतर्गत हो सकते हैं :–

1. श्रेष्ठ शहर 2010
2. जल आपूर्ति और छीजित जल में सुधार
3. एस. डब्लू.एम. सुधार
4. सुधारों का कार्यान्वयन
5. संपूर्ण परियोजनाएं
6. विशेष श्रेणी वाले राज्यों में शहर (एन.ई. शहरों सहित) और
7. लघु और मध्यम शहर।

शहरी विकास मंत्राालय द्वारा समस्त और राज्यों को विस्तृत जानकारी और प्रारुप भेजा जाएगा तथा जे एन एन यू आर एम तथा पर्ल वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा। उत्तर–पूर्वी शहरों को इस प्रतियोगिता में भाग लेना चाहिए। कृपया नोट करें कि विशेष श्रेणी के राज्यों में शहरों के लिए (एन.ई.शहरों सहित) विशेष पुरस्कार हैं।

सी.जी.सी – सी.वी.टी.सी गहन चर्चा सत्र

रा.न.का.सं. में 25–26 अक्टूबर 2010 को जे एन एन यू आर एम के अंतर्गत राष्ट्रीय तकनीकी सलाहकारी समूह द्वारा 'सी.वी.टी.सी. (सिटीवोल्यून्टीयर टेक्नीकल कोपर्स) तथा सी.वीटी.सी (कोआर्डिनेटिंग ग्रुप ऑफ सी.वी.टी.सी.) की भूमिकाएं और कार्यों पर एक गहन चर्चा सत्र का आयोजन किया गया था। शहरी विकास मंत्रालय और आवास और शहरी गरीबी उपशमन मंत्रालय जे एन एन यू आर एम अभियान में शामिल शहरों में सी वी टी सी का गठन करना चाहते हैं जिनके द्वारा शहरी समस्याओं से संबंधित मुद्दों पर नगर निगमों को सलाह देना अपेक्षित है।

12 भागीदारों के कोर समूह द्वारा सी वी टी सी की रचना की प्रक्रिया से संबंधित विभिन्न मुद्दों और सी जी सी सी वी टी सी के गठन के पश्चात् उसकी कार्यप्रणाली को प्रभवित करने वाले मुद्दों पर चर्चा की गई। अनेक वाद–विवादों ओर गहन–चर्चा के पश्चात्, यह निर्णय हुआ कि पुनः सी वी टी सी का सक्रिय करने के लिए राष्ट्रीय प्राद्योगिक सलाहकार समूह (एन.टी.ए.जी.) उन शहरों में अपने प्रयासों के लिए पुनः कार्यनीति बनाएगा जहां उनका प्रभावी ढंग से गठन किया गया है। प्रक्रिया में तेजी लाने के लिए वैकल्पिक दृष्किोण दिया गया है।

गहन–चर्चा के सत्र में भागीदारों का कोर–समूह

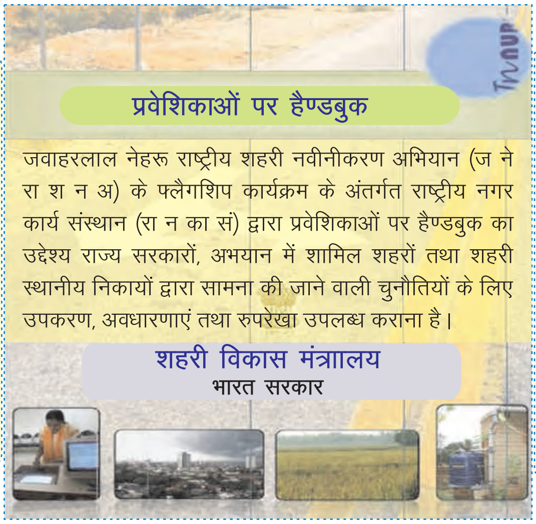

अनिवार्य सुधार

राज्य स्तर

- 74वां संविधान संशोधन अधिनियम और शहरी योजना और वितरण प्रणाली का एकीकरण।
- शहरी भूमि की सीमा निर्धारण और विनिमय अधिनियम को रद्द करना (रिपील ऑफ अर्बन लैण्ड सीलिंग एण्ड रेग्यूलेशन एक्ट – यू एल सी आर ए)
- किराया नियंत्रण सुधार
- स्टांप शुल्क का युक्तिकरण
- जन प्रकटन नियम

यू एल बी औ पैरास्टेटल स्तर

- ई–शासन
- म्युनिसिपल लेखाकरण
- संपत्ति कर
- प्रयोक्ता शुल्क लगाना
- शहरी गरीबों के लिए सेवाओं हेतु धन का आंतरिक निर्धारण।
- शहरी गरीबों के लिए मूल सेवाओं का प्रावधान।

राज्यों/यू.एल.बी. औ पैरास्टेटल्स के लिए वैकल्पिक सुधार

- भूमि–स्वामित्व प्रमाणीकरण प्रणाली
- अनुमोदन प्रक्रिया को कारगर बनाने के लिए भवन–निर्माण उपनियमों का संशोधन
- गरीबों के लिए भूमि
- वर्षा जल संचयन को अनिवार्य बनाने के लिए भवन–निर्माण उपनियमों में संशोधन कृषि योग्य भूमि को गैर–कृषि प्रयोजन में रुपांतरित करना।
- भूमि और संपत्ति के पंजीकरण के कम्प्यूटरीकरण प्रक्रिया का आरंभ।
- छीजित–जल के पुनः उपयोग के उपनियम।
- प्रशासनिक सुधार
- संरचनात्मक सुधार
- पी पी पी को प्रोत्साहन देना

विज्ञापनों पर नजर

शहरी भारत में अनेक छोटे और रोचक नवाचार हो रहे हैं। उन सभी पर नजर रखना कठिन है। इस जानकारी का एक स्रोत विभिन्न शहरी संगठनों द्वारा दिए गए समाचार–पत्रों क`विज्ञापन हैं। रा न का सं द्वारा शहरी स्थानीय निकायों, विकास प्राधिकरणों, बुनियादी ढांचे की एजेंसियों आदि द्वारा लगभग 10 प्रमुख समाचार पत्रों द्वारा दिए गए इन विज्ञापनों की सूची बनाने का प्रयास किया है। रा न का सं इस सूची को पर्ल वेबसाइट पर ूण्पदकपंनतइंदचवतजंसण्पदद्ध पाक्षिक आधार पर अपलोड करता है। यह गतिविधि परामर्श, सरकारी–निजी भागीदारी (पब्लिक–प्रायवेट–पार्टनरशिप – पी पी पी) तथा संचालन व प्रबंधन पर केन्द्रित है।

Tracking of Urban Advertisements
Date of Publication: October 16th to October 31st, 2010
(Focuses mainly on Consultancy, O & M and PPP projects)

Agency name	Description	News paper name	City Addition	Date of publication & Page no	Last Date for summation of Teader
Category: Water Supply System					
Haryana PWD Public Health	Providing safe Drinking Water Treatment Plant in Bhiwani District and its O&M for 10 years.	Indian Express	New Delhi	October 28, 2010 p20	November 25, 2010
Davangir City corporation (Karnataka)	Providing Raw Water Pumping Main, Pump set, Water Storage & Reservoir.	Times of India	New Delhi	October 26, 2010 p12	December 2,2010
Nagar Nigam Bhopal	Construction and networking of Water Pipeline and Providing 3500 house hold water connections.	Indian Express	New Delhi	October 24, 2010 p16	November 10, 2010
Irrigation and Flood Department Manipur	Improvement of Nambul river front under JNNURM	Indian Express	New Delhi	October 20, 2010 p2	October 28, 2010
Delhi Jal Board	Replacement and Improvement of Water Pipe lines.	Dainik Jagran Hindi	New Delhi	October 30, 2010 p4	November 11, 2010
Category: Sewerage System					
Delhi Jal Board	Installation of 100 MGD Sewerage Treatment Plant and its O&M for 20 years.	Dainik Jagran Hindi	New Delhi	October 30, 2010 p4	December 10,2010
CPWD New Delhi	Improvement of Drainage System and Providing Rain Water Harvesting system in Office Complex.	The Pioneer	New Delhi	October 31, 2010 p4	November 8, 2010
Karnatka Urban Water Supply and Drainage Board	Providing Sewage Pump sets.	The Hindu	Chennai	October 25, 2010 p11	November 19, 2010
CPWD New Delhi	Designing, construction and testing of Sewerage Treatment Plant atVasant Kunj.	Nav Bharat Times	New Delhi	October 30, 2010 p16	November 6, 2010

पर्ल के अंतर्गत हेल्प–डेस्क

दि एडमिनिस्ट्रेटिव स्टॉफ कॉलेज आफ इण्डिया, हैदराबाद द्वारा विकसित दि अर्बन रिसोर्स लिंक (यु.आर.एल.) पर्ल को हेल्प–डेस्क सहायता उपलब्ध कराता है। यह हेल्पडेस्क सिटी मैनेजर्स और संबंधित क्षेत्रों के पेशेवरों को सामायिक, प्रासंगिक तथा उत्तम सूचना उपलब्ध करवा कर सहयोग करता है। वे प्रश्नों को फरवर्ड भी कर सकते है। तथा इस ऑ लाइन डाटाबेस को पर्ल के अंतर्गत अर्बन फोरम के रुप में प्रयोग कर सकते हैं। ऑनलाइन पूछताछ करने के लिए कृपया ूण्पदकपंनतइंदचवतजंण्पद लिंक का प्रयोग करें। आप वेबसाइट/ई–मेल/फोन/फैक्स के माध्यम से भी पूछताछ कर सकते हैं।

समन्वयक
पर्ल हेल्पडेस्क

फोन : 011-24617517, 040-66534221
ई–मेल : ipu@niua.org
फैक्स : 011-24617513, 040-23316
वेबसाइट : www.indiaurbanportal.in
http://url.asci.org.in

पर्ल वेबसाइट
www.indiaurbanportal.in

पर्ल अपडेट को पर्ल वेबसाइट www.indiaurbanportal.in को नए स्वरुप और रुप में प्रस्तुत करते हुए हर्ष हो रहा है। इसमें शामिल किए गए कुछ नए घटक निम्नलिखित हैं:

- सूचना शिक्षा एवं संचार सामग्री, वैश्विक नेटवर्क, पुरस्कार, हेल्पडेस्क, निविदा विज्ञापन और चर्चा मंच के विशेष लिंक।
- सरल खोज विकल्प हेतु व्यापक उप–श्रेणियों सहित 'रेटिंग' (नया घटक) के अनुसार श्रेष्ठ कार्यों को वर्गीकृत किया गया।
- नवीनतम शहरी विकास 'वीडियो' (जिन्हें डाउनलोड किया जा सकता है तथा एफ.एल.वी. प्लेयर पर देखा जा सकता है)
- आटो–टेक्सट फिल सहित उन्नत खोज का विकल्प।
- अद्यतन एफ.ए.क्यू. पेज, ई–मेल नोटिफिकेशन इनफोरमेशन फोरम।
- प्रकाशनों, समाचार और घटनाओं, आर्चिव्स, संचार केन्द्र और सुझावों के लिए निश्चित स्थान

कार्य दल

समन्वयक
विजय धर
अनुसंधान सहायक
शिल्पी रॉय
हिन्दी रूपांतर
पूनम मल्होत्रा
हिंदी टंकण
मीरा भागचंदानी
मुख–पृष्ठ की फोटोः अगोराई लैण्ड फिल साइट, ग्रेटर मुम्बई, नगर निगम, www.tatvaglobal.com द्वारा ठोस कचरा प्रबंधन

सलाहकार
चेतन वैद्य

संपादकीय दल
नीलांजना दासगुप्ता सूर

राष्ट्रीय नगर कार्य संस्थान
कोर–4बी, प्रथम व द्वितीय तल,
भारत पर्यावास केन्द्र, लोधी रोड,
नई दिल्ली–110003
फोन. 011-24627543, फैक्स– 24617513
ईमेलः niua@niua.org

पर्ल वेबसाइटः www.indiaurbanportal.in
रा.न.का.स. वेबसाइटः www.niua.org